पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

शाकाहारी बनने वाली बात पर भड़कीं साई पल्लवी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 237 ■ शुक्रवार, 13 दिसंबर 2024 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

/ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

एकनाथ शिंदे होंगे ठाणे के पालक मंत्री?

■ महानगर पालिका चुनाव पर फोकस

ठाणे. उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ठाणे जिले के पालक मंत्री पद पाने पर जोर दे रहे हैं। भाजपा इस बात पर जोर दे रही है कि ठाणे के पालक मंत्री का पद भाजपा के किसी मंत्री को दिया जाना चाहिए क्योंकि ठाणे जिले के विधानसभा चुनावों में भाजपा के अधिकांश विधायक जीते हैं। आगामी महानगरपालिका चुनावों के मद्देनजर, शिंदेसेना ठाणे जिले पर अपना दबदबा बनाए रखने के लिए ठाणे जिले का पालक मंत्री पद रखना चाहती है।

विधानसभा चुनाव में महायुति को ठाणे जिले से बड़ी सफलता मिली है. ठाणे जिले में बीजेपी के 9 और शिंदेसेना के 6 विधायक हैं. शिंदेसेना के शंभूराज देसाई पिछली सरकार में पालक मंत्री थे. इस समय बीजेपी ने ठाणे जिले की कमान मिलने का दावा किया है. पिछले विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी, शिवसेना से आगे रहने के बावजूद ठाणे जिले के पालक मंत्री का पद शिंदेसेना ने ले लिया था. इस चुनाव में बीजेपी ने जिले में 100 फीसदी स्ट्राइक रेट बरकरार रखा, जबकि शिंदेसेना का स्ट्राइक रेट 90 फीसदी रहा; लेकिन चाहे कुछ भी हो शिंदेसेना ठाणे जिले की कमान छोड़ने को तैयार नहीं हैं.

वरिष्ठ नेता का दावा

हालांकि संभावना जताई जा रही है कि विवाद को सुलझाने के लिए ठाणे जिले के पालक मंत्री का पद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को मिलेगा. शिंदेसेना के एक वरिष्ठ नेता ने इस संभावना की पुष्टि की. उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर दावा किया कि एकनाथ शिंदे ठाणे जिले के पालक मंत्री होंगे।

फ्लैट खरीदने से पहले महानगर पालिका की वेबसाइट पर जांच लें

इमारत अधिकृत है या अनधिकृत!

■ कल्याण डोंबिवली मनपा की नागरिकों से अपील

कल्याण. कडोंमपा की सीमा के भीतर फ्लैट लेते समय नागरिकों को कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका की वेबसाइट से संपर्क कर जांच लेना चाहिए कि इमारत अधिकृत है या अनधिकृत. महानगर पालिका की वेबसाइट पर, शहरी नियोजन विभाग ने मनपा सीमा के भीतर बिल्डिंगों और निर्माण पूर्णता प्रमाणपत्रों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की है। कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका के शहरी नियोजन विभाग के प्रभारी सहायक निदेशक सुरेंद्र टेंगले ने बताया कि यही जानकारी महारेरा की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराई गई है।

कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका सीमा में अनगिनत निर्माण किए गए हैं। अवैध निर्माणों की संख्या दो लाख से ज्यादा है. इन अवैध निर्माणों के लिए बिल्डरों ने फर्जी दस्तावेज तैयार किए हैं। बिल्डर घर खरीदारों को नकली मनपा निर्माण परमिट, नकली गैर-कृषि परमिट दिखाकर यह माहौल बनाते हैं कि ये दस्तावेज़ असली हैं। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध इमारतों में मकान खरीददारों को बेच दिए जाते हैं। इसके जरिए कई नागरिकों से ठगी की गई है. ये घर 22 से 25 लाख में बिकते हैं.

■ 65 अवैध इमारतों को गिराने की कार्रवाई शुरू

हाई कोर्ट के आदेश पर प्रशासन ने डोंबिवली में 65 अवैध इमारतों को गिराने की कार्रवाई शुरू कर दी है. 65 में से 58 निवासी अवैध इमारतों में रह रहे हैं। इन निवासियों के बेघर होने का समय आ गया है. इसलिए, भविष्य में घर खरीदने में नागरिकों को धोखा देने से बचने के लिए, महानगर पालिका ने नगर नियोजन विभाग द्वारा अनुमोदित सभी भवन निर्माण परमिट दस्तावेजों को महानगर पालिका और महारेरा की वेबसाइट पर साझा करने का निर्णय लिया है.

> इस सुविधा के कारण, नागरिक घर खरीदने से पहले महानगर पालिका गए बिना यह जांच कर सकेंगे कि जिस भवन में वे घर खरीद रहे हैं वह आधिकारिक या अनधिकृत. मनपा सीमा के भीतर घर खरीदने वाले नागरिकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए, भवन निर्माण अनुमति दस्तावेज नगर पालिका, महरेरा की वेबसाइट पर जारी किए जा रहे हैं। नागरिकों को इन ऑनलाइन दस्तावेजों की जांच करके घर खरीदने को प्राथमिकता देनी चाहिए।
>
> – सुरेंद्र टेंगले,
> प्रभारी-सहायक निदेशक
> शहरी नियोजन, कडोंमपा

बच्ची की पिटाई पर भिड़े पड़ोसी

■ दो परिवारों के बीच हुई मारपीट
■ सुभाष टेकड़ी परिसर की घटना
■ विट्ठलवाड़ी पुलिस थाने में मामला दर्ज

उल्हासनगर. उल्हासनगर-4 साईबाबा नगर सुभाष टेकड़ी इलाके में दो परिवारों के बीच मारपीट हो गई. मारपीट की ये सारी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है.

अक्षय जगताप ने मनोज जाधव की छोटी बच्ची को उस वक्त पीटा जब वह घर के बाहर खेल रही थी. इस बारे में पूछने जाने पर जाधव और जगताप दोनों के परिवार के बीच बहस हो गई. ये बहस हाथापाई में बदल गई. ये सारी हाथापाई सीसीटीवी में कैद हो गई है. अब इस मामले में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में जाधव और जगताप दोनों परिवारों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

महिला सरपंच पर रिश्वत मांगने का आरोप, अपराध दर्ज

■ वांगनी ग्राम पंचायत का मामला

बदलापुर. नए खरीदे गए घर की घरपट्टी (संपत्ति कर) बनवाने के लिए रिश्वत मांगने के आरोप में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने बदलापुर के पास वांगनी ग्राम पंचायत की सरपंच वनिता आढाव के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उसने शिकायतकर्ता से 20 हजार की मांग की थी, लेकिन 10 हजार रुपए में समझौता हो गया था. लेकिन महिला सरपंच ने संदेह के चलते रिश्वत नहीं ली। उनके खिलाफ रिश्वत मांगने का मामला दर्ज किया गया है.

शिकायतकर्ता ने वांगनी में एक नया घर खरीदा था। वांगनी की सरपंच वनिता आढाव ने उनके घर की घरपट्टी बनवाने के लिए 20,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। हालाँकि, चूंकि शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने 13 नवंबर 2024 को वनिता आढाव के रिश्वत मांगने के संबंध में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई। तदनुसार, 26 नवंबर को आयोजित सत्यापन अभियान में, सरपंच वनिता आढाव ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की और समझौते के बाद 10,000 रुपये की रिश्वत लेने पर सहमति व्यक्त की। सभी कानूनी मामलों का पालन करने के बाद, शिकायतकर्ता सरपंच को रिश्वत देने गया, लेकिन सरपंच को कुछ संदेह हुआ, इसलिए उसने शिकायतकर्ता से रिश्वत नहीं ली। हालाँकि, उनके खिलाफ कुलगाँव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है क्योंकि उन्होंने रिश्वत की मांग की थी.

इस मामले में वांगाणी ग्राम पंचायत की सरपंच वनिता आढाव का कहना है कि वांगनी में चल रहे विकास से राजनीतिक विरोधियों को ठेस पहुंची है. यह राजनीतिक द्वेष के कारण पिछड़े वर्ग के सरपंच को बदनाम करने की साजिश है। जल्द ही हम इस साजिश के पीछे के मास्टरमाइंड को बेनकाब करेंगे.

ऑनलाइन बिल्डिंग परमिट के लिए प्रशिक्षण एवं चर्चा सत्र आयोजित

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका के टाउन प्लानिंग विभाग के माध्यम से ऑनलाइन निर्माण अनुमति के प्रस्ताव स्वीकार कर 1 अगस्त से प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. इसउद्देश्य के लिए, महाआईटी के बिल्डिंग परमिट मैनेजमेंट सिस्टम (बीपीएमएस) पोर्टल के माध्यम से प्रस्ताव प्रस्तुत किए जा रहे हैं और इसमें आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए मंगलवार को एक प्रशिक्षण स्कूल और चर्चा सत्र आयोजित किया गया था।

इस चर्चा सत्र में बड़ी संख्या में शहर के लाइसेंस प्राप्त इंजीनियर और आर्किटेक्ट उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थितजनों की अनेक शंकाओं का समाधान हो गया है अतः बड़ी संख्या में निर्माण प्रस्ताव बीपीएमएस प्रणाली के माध्यम से प्रस्तुत किये जायेंगे, ऐसी अपेक्षा मनपा के सहायक निदेशक, टाउन प्लानर ललित खोब्रागड़े ने व्यक्त की है। इस चर्चा सत्र को आयोजित करने की पहल खोब्रागड़े ने की. इस मौके पर महाआईटी की ओर से प्रोजेक्ट मैनेजर सचिन देवरे और आरिफ शाह ने मार्गदर्शन किया. इस चर्चा सत्र में वास्तु विशारद अतुल देशमुख, लक्ष्मण कटारिया, एड. प्रकाश कुकरेजा सहित शहर के प्रतिष्ठित इंजीनियर एवं वास्तु विशारद उपस्थित थे।

चाइनीज मांझा का इस्तेमाल करना पड़ेगा महंगा!

ठाणे. ठाणे मनपा ने पतंग उड़ाने के लिए इस्तेमाल होने वाले चाइनीज मांझा, नायलॉन, प्लास्टिक के कृत्रिम मांझे के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है क्योंकि ये इंसानों के साथ-साथ पक्षियों के लिए भी खतरनाक हैं. महानगर पालिका की एक टीम दुकानों में जांच अभियान चलाकर मांझा जब्त करेगी और ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए महानगर पालिका ने पुलिस की मदद लेने की तैयारी शुरू कर दी है.

पतंग उड़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला चाइनीज मांझा, चाइनीज डोर, नायलॉन, प्लास्टिक या सिंथेटिक सामग्री से बना कृत्रिम मांझा इंसानों के साथ-साथ पक्षियों के लिए भी खतरनाक है। इस धागे को बनाने के लिए बारीक पिसा हुआ कांच, धातु या अन्य धारदार

सामग्री का उपयोग किया जाता है, जिसे चीनी मांझा के नाम से जाना जाता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने ऐसे धागे के निर्माण, बिक्री, भंडारण और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह धागा बायोडिग्रेडेबल नहीं है. पतंग उड़ाने के लिए केवल सूती धागे की ही अनुमति है। इसलिए, ठाणे मनपा क्षेत्र में चीनी मांझा, चीनी रस्सी, नायलॉन, प्लास्टिक कृत्रिम मांजा के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

चाइनीज मांझा एवं सिंथेटिक-नायलॉन मांझा की बिक्री, उत्पादन, भंडारण एवं उपयोग को रोकने के लिए नगर निगम की टीम द्वारा दुकानों में निरीक्षण अभियान चलाकर मांझा जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। यह निरीक्षण व जब्ती अभियान वार्ड समिति स्तर पर नियमित रूप से चलाया जायेगा. इसके लिए सहायक आयुक्त स्तर पर प्रत्येक वार्ड समिति में कर निरीक्षक, स्वच्छता निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक, प्रदूषण नियंत्रण कर्मचारियों की एक सतर्कता टीम का गठन किया गया है। साथ ही स्थानीय पुलिस को भी इसकी सूचना दे दी गई है.

इसके अलावा, नागरिकों को प्रतिबंधित सिंथेटिक, नायलॉन मांजा की बिक्री, निर्माण, भंडारण, आपूर्ति या उपयोग के संबंध में शिकायत दर्ज करने के लिए एक टोल-फ्री नंबर 8657887101 उपलब्ध कराया गया है।

मनोज शिंदे समेत कांग्रेस के कई पदाधिकारी शिवसेना में शामिल

ठाणे. ठाणे महानगर पालिका में विपक्ष के नेता एवं प्रदेश कांग्रेस कमिटी में सचिव रहे मनोज शिंदे शिवसेना में शामिल हो गए. कांग्रेस पार्टी के कई पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी मनोज शिंदे के साथ पाला बदल लिया. शिवसेना के प्रमुख नेता एवं राज्य के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना में शामिल होने वाले सभी कांग्रेसियों का स्वागत किया. हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में मनोज शिंदे ने कोपरी -पांचपाखाड़ी से तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ कांग्रेस का टिकट मांगा था. महाविकास आघाड़ी की तरफ से शिवसेना (यूबीटी) के ठाणे शहर जिला प्रमुख केदार दिघे को उम्मीदवार बनाया गया था.

बदलापुर में फैली रासायनिक गैस!

■ निवासियों को आंखों में जलन, सांस लेने में परेशानी,
■ नागरिकों को गैस रिसाव का संदेह

बदलापुर. बदलापुर ईस्ट इंडस्ट्रियल एस्टेट में बुधवार रात के आसपास कुछ कंपनियों से रासायनिक गैस रिसाव होने की आशंका है. बुधवार रात करीब 9 बजे खरवई, शिरगांव, दत्तवाड़ी इलाके में हर तरफ रासायनिक धुआं फैल गया. कई निवासियों को आंखों से पानी आने और सांस लेने में कठिनाई का अनुभव हुआ। इसलिए आशंका जताई गई कि यह गैस लीक हुई है या किसी अन्य कंपनी ने केमिकल गैस छोड़ी है। दिलचस्प बात यह है कि बदलापुर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 150 तक है लेकिन बुधवार रात के आसपास यह सूचकांक 314 तक पहुंच गया.

बदलापुर शहर के पूर्वी भाग में औद्योगिक परिसर खरवई से शिरगांव तक फैला हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में, इस औद्योगिक संपदा के आसपास बड़े पैमाने पर शहरीकरण हुआ है। निवासी अक्सर इन कंपनियों से रासायनिक गैसों के निकलने के बारे में शिकायत करते हैं। केमिकल गैस की ये समस्या सर्दियों में ज्यादा महसूस होती है.

बुधवार को इंडस्ट्रियल एस्टेट इलाके के निवासियों और यहां से यात्रा करने वाले यात्रियों को इस रासायनिक गैस से सबसे ज्यादा परेशानी महसूस हुई.

बुधवार रात करीब 9 बजे खरवई, शिरगांव, दत्तवाड़ी औद्योगिक एस्टेट के निवासियों को आंखों में चुभन और सांस लेने में दिक्कत महसूस हुई। बदलापुर कर्जत राज्य राजमार्ग पर कोहरा छाया हुआ था। रासायनिक गैसें हर जगह थीं। हालांकि, यह पता नहीं चल पाया है कि यह रासायनिक गैस किस कंपनी से निकली थी। लेकिन इससे निवासियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी.

■ कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

लगातार आरोप लग रहा है कि यहां की कंपनियां लगातार रासायनिक गैसें छोड़ रही हैं। सर्दियों में जैसे ही हवा रुकती है तो यह गैस उसी स्थान पर रुक जाती है। निजी मौसम विज्ञानी अभिजीत मोडक ने बताया कि इसकी पीड़ा अधिक महसूस की जा रही है. बदलापुर का वायु गुणवत्ता सूचकांक 150 तक है। अक्सर रात 10 बजे के बाद कंपनियों से केमिकल गैस निकलती है। मोडक ने यह भी बताया है कि उस समय यह सूचकांक 300 तक पहुंच जाता है. बुधवार रात करीब दस बजे एयर इंडेक्स 314 था। इसलिए बदलापुर औद्योगिक क्षेत्र में ऐसी गैरजिम्मेदार कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की जा रही है.

अंबरनाथ में कल ऑल महाराष्ट्र उर्दू स्कूल तकरीरी मुकाबले

अंबरनाथ. अंबरनाथ में ऑल महाराष्ट्र उर्दू स्कूल विद्यार्थियों के बीच तकरीर (भाषण) प्रतियोगिता शनिवार 14 दिसंबर को होगी. ये प्रतियोगिता एजूकेशनल अपलिफ्ट सोसायटी के पूर्व सदस्य स्व. हाजी मो. आरिफ अंसारी की याद में खुंटवली वालेकर सभागृह में आयोजित की गई है. ऐसी जानकारी हमें आयोजक नेशनल उर्दू हाईस्कूल के पदाधिकारी एवं सोसायटी के सदस्य मो. अफजाल अंसारी ने दी है.

महाराष्ट्र के कई उर्दू स्कूलों से 58 विद्यार्थी लेंगे हिस्सा

उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में अंबरनाथ, बदलापुर, नासिक, ओवला, मालेगांव, मुंबई, भिवंडी, कल्याण, नवी मुंबई के उर्दू स्कूलों के 58 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं. प्रतियोगिता में प्रायमरी, सेकंडरी स्कूल में बांटा गया है. ये भाषण मुकाबले शनिवार 14 दिसंबर को सुबह 9.30 बजे से शुरू होकर शाम तक चलेंगे. मुख्य अतिथि सोसायटी अध्यक्ष जनाब मोहसिन मोरसिंगे, भिवंडी के मकसूद अमीन अंसारी और बीएमसी के शिक्षण विभाग अधिकारी अशफाक करीम शेख होंगे. नेशनल उर्दू हाईस्कूल अंबरनाथ के प्रिंसीपल, टीचर, स्टाफ और अंसारी परिवार प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए परिश्रम कर रहे हैं. ये प्रतियोगिता यू. ट्यूब लाइव चैनल, एनयूएचएस अंबरनाथ पर प्रसारण भी किया जाएगा. ऐसी जानकारी अफजाल अंसारी ने दी है.

शरद पवार के जन्मदिन पर मिठाइयां वितरित

»उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में राकांपा (शप) अध्यक्ष शरद पवार का जन्मदिन हर्ष के साथ मनाया गया. अंबरनाथ राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) के शहराध्यक्ष सदाशिव पाटिल एवं पूर्व नगरसेवक सचिन पाटिल की ओर से लोगों में लड्डू एवं मिठाई वितरित की गई. शरद पवार का जन्मदिन शहर पूर्व में मोतीराम पार्क पर मिठाई वितरित करके मनाया गया. सदाशिवर पाटिल ने कहा कि गत कई वर्षों से वह 12 दिसंबर को शिवाजी चौक पर शहरवासियों को मिठाई बांटते हैं. इस वर्ष राकांपा कार्यालय मोतीराम पार्क में शरद पवार का जन्मदिन मनाया गया. इस अवसर पर पदाधिकारी, कार्यकर्ता एकत्रित होकर एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी व्यक्त करते हैं. सदाशिवक पाटिल ने शरद पवार की जीवनी पर उपस्थितों को जानकारी दी और कहा कि हमारा नेता आज भी इस आयुत में सक्रिय कार्य कर रहा है, जो हमारे लिए एक उदाहरण है. इस अवसर पर पुष्पराज गायकवाड़, सचिन पाटिल, पूनम शेलार, अरबाज कुरैशी, विनोद शेलार, इमरान खान, भालचंद्र पाटिल आदि उपस्थित थे.

NIA की छापेमारी : भिवंडी से एक संदिग्ध हिरासत में

कल्याण. राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने महाराष्ट्र के ठाणे और अमरावती में छापेमारी की. इस दौरान दोनों की जगहों से एक-एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया. एनआईए की एक टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से गुरुवार सुबह ठाणे जिले के भिवंडी तालुका के खोनी ग्राम पंचायत क्षेत्र में छापा मारकर एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है. एनआईए टीम द्वारा गिरफ्तार किए गए युवक का नाम काकमरन अंसारी है.

बता दें कि कुछ महीने पहले ही भिवंडी तालुका के पडघा-बोरीवली गांव से 'आईएसआईएस' आतंकवादी संगठन के 6 से 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया था.

सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, एनआईए की टीम ने गुरुवार सुबह-सुबह भिवंडी तालुका के निजामपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत खोनी ग्राम पंचायत क्षेत्र में एक कमरे में अचानक छापा मारा था. जांच में पता चला है कि इस छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया कामरान कई दिनों से इस कमरे में रह रहा था.

इस बीच, एनआईए की टीम ने भी आज ही सुबह अमरावती में भी छापा मारकर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है. इस बीच 28 जून 2023 को एनआईए की टीम द्वारा दर्ज आईएसआईएस महाराष्ट्र मॉड्यूल मामले में पांच स्थानों पर संदिग्धों के घरों की तलाशी ली गई. उस समय भी एनआईए की टीमों ने आरोपियों के घरों की तलाशी के दौरान कुछ इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और आईएसआईएस से संबंधित कई दस्तावेज जैसी कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की थी.

कहा गया कि जब्त सामग्री से स्पष्ट रूप से पता चला है कि आरोपी आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के साथ सक्रिय संबंध रखते थे तथा आतंकवादी संगठन के भारत विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं को भड़काने का प्रयास कर रहे थे. पिछले साल, राष्ट्रविरोधी और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल तीन पीएफआई पदाधिकारियों को भिवंडी शहर से गिरफ्तार किया गया था. इसके अलावा पिछले दो सालों में मुंब्रा इलाके से भी संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और गिरफ्तार किया गया.

देशभर में छापेमारी

वहीं 2014 में कल्याण के चार युवकों को आईएसआईएस में भर्ती किया गया था. अतः भिवंडी तालुका के खोनी गांव से एक बार फिर यह देखने को मिला है कि ठाणे जिले में अभी भी कुछ लोग देश विरोधी गतिविधियों में सक्रिय हैं. इसी क्रम में एनआईए की टीम अमरावती में एक युवक से पाकिस्तान से कथित संबंधों के सिलसिले में पूछताछ कर रही है. एनआईए टीम अमरावती पहुंची. बताया जाता है कि एनआईए की टीम ने पाकिस्तान से जुड़े देशभर के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की है और 24 से 25 लोगों को हिरासत में लिया है.

अंबरनाथ में मानवाधिकार दिवस मनाया गया

»उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में मानवाधिकार दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. अखिल भारतीय मानवाधिकारी संगठन के महाराष्ट्र राज्य प्रभारी अजयराव चिरिवेल्ला के मार्गदर्शन में मंगलवार 10 दिसंबर की दोपहर को संगठन के कार्यकर्ताओं ने शहर पश्चिम स्थित नगर परिषद के बेघर आश्रय केंद्र में गरीबों को बिस्किट, चाकलेट वितरित करके सामाजिक प्रतिबद्धता निभाई. शाम को शहर पूर्व स्थित पीसी प्वाइंट कार्यालय में अखिल भारतीय मानवाधिकारी संगठन के कार्यकर्ताओं ने केक काटकर विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया. इस अवसर पर संगठन के प्रदेश प्रभारी अजयराव चिरिवेल्ला, जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमावत, शहराध्यक्ष सुनिल अहिरे आदि उपस्थित थे.

विदित हो कि अंबरनाथ शहर में भारतीय मानवाधिकार संगठन द्वारा कई सामाजिक कार्य किए गए हैं. जैसे पीड़ित लोगों की हर तरह से सहायता करना, ठोचे संस्थाओं को आर्थिक सहायता करना, स्कूल शिक्षण पर ध्यान देना एवं जिनको न्याय नहीं मिल रहा है, उनको न्याय प्रदान करना. 10 दिसंबर को मानवाधिकार के कार्यक्रम में सचिव बाल सुंदरम, उमेश महाजन, श्याम परदेसी, शीनू पनिकर, प्रफुल्ल थोरात, दर्शन चिरिवेल्ला, उस्मान शाह, शत्रुघ्न उमप, कैप्टन डॉ. राधिका मुखर्जी समेत पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं है। - वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

दुनिया में भारत की बढ़ी साख

मनुष्य के शरीर का सबसे जटिल हिस्सा मस्तिष्क है। यह शरीर के बाकी हिस्सों पर कैसे नियंत्रण रखता है, यह कौतूहल ही नहीं, शोध का विषय भी रहा है। मानव मस्तिष्क के विकास को समझने के लिए वर्षों से अध्ययन होते रहे हैं। मगर दिमाग की गहरी परतों में उतर कर गुत्थियां सुलझाना इतना आसान नहीं रहा। भारत के लिए गर्व की बात है कि वह दिमाग की सामान्य संरचना से आगे बढ़ कर भ्रूण के मस्तिष्क के बारीक खंडों को देखने में समर्थ हो गया है।

यों मस्तिष्क संबंधी जटिलताओं के लिए हमारे पास एमआरआइ जैसी तकनीक पहले से है। वहीं मस्तिष्क की गतिविधियों को जानने के लिए 'ब्रेन मैपिंग' तकनीक भी है। मगर अब हम इस दिशा में कई कदम आगे बढ़ गए हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास ने आधुनिक ब्रेन मैपिंग तकनीक से भ्रूण के मस्तिष्क की विस्तृत थ्री डी तस्वीर जारी कर सभी को चौंका दिया है। यह दुनिया में पहली बार है, जब अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से 5,132 मस्तिष्क खंडों को डिजिटल तस्वीरों में उतारा गया है। प्रौद्योगिकी सीमाओं से परे जाकर हमारे वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं ने चिकित्सा विज्ञान में इतिहास रच दिया है। आइआइटी, मद्रास अब एलन मस्तिष्क संस्थान की कतार में आ गया है। यह इस मायने में भी बड़ी उपलब्धि है कि अब भ्रूण के विकास के पहले चरण में ही बीमारियों का जल्द पता लग जाएगा। वहीं मस्तिष्क संबंधी तमाम विकारों पर नियंत्रण आसान होगा। मस्तिष्क खंड की छोटी से छोटी डिजिटल तस्वीरें तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में काम कर रहे चिकित्सकों की सहायता करेंगी। इससे वे सटीक उपचार कर सकेंगे।

मस्तिष्क कैंसर, ट्यूमर जैसी बीमारियों के तह तक जाना अब मुश्किल नहीं

उम्मीद कर सकते हैं कि मस्तिष्क कैंसर, ट्यूमर और मिर्गी के साथ तमाम बीमारियों और मनोविकारों की तह में जाने में अब मुश्किल नहीं होगी। तकनीक के इस नए विस्तार के बाद मरीजों को बेहतर और शीघ्र इलाज मिलने की उम्मीद है। वहीं ब्रेन मैपिंग होने से किसी गंभीर अपराध में पकड़े गए आरोपियों की दिमागी हलचल को बारीकी से समझा जा सकेगा।

कांग्रेस के भविष्य पर नए सवाल, राहुल और प्रियंका की बढ़ेंगी मुश्किलें

प्रियंका गांधी वाड्रा की भी संसदीय पारी का आगाज हो गया, पर इसी दौरान कांग्रेस की नियति को लेकर नए सिरे से सवाल उठ खड़े हुए हैं। उत्तर प्रदेश के कांग्रेसी दशकों नारा लगाते रहेः अमेठी का डंका, बेटी प्रियंका, मगर वह केरल की वायनाड सीट से संसद पहुंचीं। वायनाड में उपचुनाव की नौबत इसलिए आई कि इस बार रायबरेली और वायनाड, दो सीटों से जीते राहुल ने पारिवारिक सीट रायबरेली रखने का फैसला किया।

राजस्थान से राज्यसभा पहुंचने से पहले सोनिया गांधी रायबरेली से ही लोकसभा चुनाव जीतती रहीं। उनसे पहले पति राजीव गांधी रायबरेली का प्रतिनिधित्व करते रहे। फिरोज गांधी और इंदिरा गांधी भी रायबरेली से लोकसभा के लिए चुने जाते रहे। सोनिया गांधी द्वारा इस बार संसद जाने के लिए राज्यसभा का रास्ता चुने जाने के बाद अटकलें थीं कि राहुल वायनाड और अपनी पुरानी सीट अमेठी से लड़ेंगे, जबकि प्रियंका रायबरेली से अपनी संसदीय राजनीति की शुरुआत करेंगी, लेकिन कांग्रेस ने चौंकाने वाला निर्णय लिया। परिवार और पार्टी के निष्ठावान किशोरी लाल शर्मा को अमेठी से स्मृति इरानी के विरुद्ध चुनाव में उतारा, जबकि राहुल के लिए, अपेक्षाकृत सुरक्षित रायबरेली को चुना। कांग्रेस का दांव सफल भी रहा। रायबरेली से राहुल तो जीत ही गए, किशोरी लाल ने भी अमेठी से स्मृति इरानी को हरा कर सबको चौंका दिया। राहुल और किशोरी लाल, दोनों के चुनाव प्रचार और प्रबंधन की कमान प्रियंका गांधी ही संभालती नजर आई थीं।

जब राहुल ने वायनाड छोड़ने का एलान किया तभी उपचुनाव में प्रियंका के प्रत्याशी होने का फैसला हो गया था। राहुल ने कहा था कि वायनाड के मतदाताओं को उनकी कमी महसूस न हो, इसलिए वहां से होने वाले उपचुनाव में बहन प्रियंका गांधी कांग्रेस उम्मीदवार होंगी। बेशक वायनाड से प्रियंका की जीत में किसी को संदेह नहीं था, लेकिन चार लाख से भी ज्यादा अंतर से जीत हासिल कर उन्होंने चौंकाया।

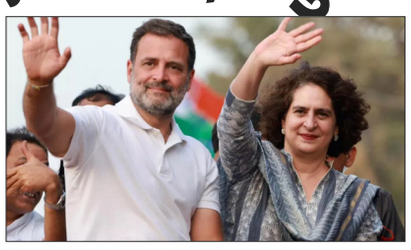

प्रियंका चार लाख से भी ज्यादा वोटों के अंतर से जीती हैं। उनका मुकाबला सत्तारूढ़ एलडीएफ प्रत्याशी से हुआ, जबकि भाजपा की उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहीं। हालांकि प्रियंका गांधी की संसदीय पारी का आगाज भले ही अभी हुआ है, लेकिन वह राजनीति में नई नहीं हैं। खुद प्रियंका गांधी ने बताया था कि वह 35 साल से राजनीति में सक्रिय हैं और उन्होंने 1989 में 17 साल की उम्र में पहली बार अपने पिता राजीव गांधी के लिए चुनाव प्रचार किया था। सभी जानते हैं कि रायबरेली और अमेठी में वह मां और भाई के लिए अतीत में भी चुनाव प्रबंधन और राजनीतिक कामकाज देखती रही हैं।

ऐसे में यह स्वाभाविक सवाल अनुत्तरित ही है कि कांग्रेस आलाकमान या कहें कि खुद परिवार ने यह रास्ता क्यों चुना? आखिर प्रियंका राजनीति में तो थी हीं। सालों पहले ही सीधे कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव बनाई जा चुकी थीं। वह उत्तर प्रदेश सरीखे बड़े राज्य की प्रभारी थीं। हालांकि स्टार प्रचारक होने के बावजूद वह कांग्रेस को बड़ी चुनावी सफलता नहीं दिलवा पाईं। 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उन्होंने चर्चित नारा दिया था कि 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं।'

कांग्रेस ने बड़ी संख्या में महिला उम्मीदवार भी उतारे, पर जोरदार प्रचार अभियान के बावजूद कांग्रेस 402 में से मात्र दो विधानसभा सीटें ही जीत पाई। कांग्रेस का मत प्रतिशत भी ढाई प्रतिशत के आसपास रहा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की हालत लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन से सुधरती दिखी, पर हाल के नौ विधानसभा उपचुनाव में सपा ने उसके लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी। अब परिवार के तीनों ही सदस्य संसद में पहुंच जाने से वंशवाद के मुद्दे पर भाजपा का आक्रमण तो और तेज होगा ही, कांग्रेस में राहुल के समानांतर एक और सत्ता केंद्र बनने का खतरा भी रहेगा।

ध्यान रहे कि पंजाब में कांग्रेस के पराभव का बड़ा कारण बने नवजोत सिंह सिद्धू को प्रियंका गांधी का समर्थक बताया जाता रहा है। उन्हीं की जिद के चलते पंजाब में पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बदला गया और फिर मुख्यमंत्री। इस उठापटक का अंतिम परिणति यह हुई कि मतदाताओं ने कांग्रेस को ही सत्ता से बेदखल करते हुए आम आदमी पार्टी को प्रचंड जनादेश दे दिया। कांग्रेस शासित हिमाचल में भी विवाद का दखल रहता है। यदि राहुल और प्रियंका एक-दूसरे के पूरक की भूमिका निभाएंगे तो कांग्रेस की मजबूती में मददगार होंगे, लेकिन यदि वे दो अलग-अलग सत्ता केंद्र बनकर प्रतिद्वंद्वी बन गए तो कमजोर कांग्रेस की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

जहाँ भी जाइए, वहाँ एकता की खुश्बू फैलाइए।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

राज्यसभा के सभापति को हटाने की मांग

जब भी संसद का सत्र शुरू होता है, सर्वदलीय बैठक बुला कर आपसी सहमति और सहयोग से कार्यवाही चलाने का संकल्प लिया जाता है। मगर, पिछले कुछ समय से संसद का कामकाज हंगामे की भेंट चढ़ जा रहा है। किसी मसले पर विपक्ष बहस की मांग करता है और सभापति की मंजूरी न मिल पाने के बाद हंगामे का सिलसिला चल पड़ता है। पूरा का पूरा सत्र बिना किसी सार्थक बहस और विधेयकों पर जरूरी चर्चा के बगैर समाप्त हो जाता है।

चालू सत्र में भी पहले ही दिन से हंगामा चल रहा है। विपक्ष अडाणी मामले पर बहस कराना चाहता है, मगर दोनों सदनों में इसकी इजाजत नहीं मिल पा रही। अब स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि विपक्ष ने राज्यसभा के सभापति यानी उपराष्ट्रपति के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव रख दिया है। उसका कहना है कि सभापति विपक्ष को बोलने का मौका नहीं देते, वे अपनी मर्जी से बहसों को रेकार्ड में लेते या नहीं लेते हैं।

सत्तापक्ष के लोगों को बोलने का अधिक अवसर देते हैं, आदि। यह बहत्तर वर्षों के संसदीय इतिहास में पहला मौका है, जब इस तरह राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है, उन्हें हटाने की मांग उठी है। ऐसा नहीं कि पहले विपक्ष

के नेता किसी सदन के सभापति से असंतुष्ट नहीं होते थे। उन पर पक्षपात के आरोप नहीं लगाते थे। पहले भी ऐसा होता रहा है, मगर तब कटाक्ष, तल्ख बयान और बहसों के बाद मामले सुलझा लिए जाते थे। सदन की मर्यादा का निर्वाह किया जाता था। मगर पिछले कुछ समय से शायद इस तकाजे को कोई समझना नहीं चाहता।

मानसून सत्र में विपक्षी दल के कई नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष को संसदीय मर्यादा और उनके पद की गरिमा का पाठ पढ़ाया। खूब कटाक्ष किए, मगर कोई फर्क नहीं पड़ा। विपक्ष का आरोप है कि सरकार खुद हंगामा खड़ा करके सदन के कामकाज में बाधा डाल रही है। वह चाहती ही नहीं कि संसद में किसी मुद्दे पर बहस हो।

दरअसल, संसदीय कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्तापक्ष की होती है। अगर किन्हीं स्थितियों में विपक्ष का रुख अधिक आक्रामक हो जाता है और सदन की कार्यवाही में बाधा पड़ती है, तो संसदीय कार्यमंत्री सुलह-समझौते से गतिरोध दूर करने का प्रयास करते हैं। मगर लंबे समय से दोनों सदनों के कामकाज बाधित हैं और सरकार की तरफ से कोई ऐसा प्रयास नजर नहीं आता।

अपेक्षा की जाती है कि जरूरी मसलों पर संसद के भीतर बहस हो और सर्वसम्मति से कोई फैसला किया जा सके। मगर पिछले कुछ समय से संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच मूंछ की लड़ाई अधिक दिखाई देती है, बहसें विपक्ष संसद से बाहर करता है। पिछली सरकार के समय तो दोनों सदनों के डेढ़ सौ से ऊपर विपक्षी सदस्यों को निलंबित कर दिया गया। इस तरह कई मसलों पर आम लोगों के बीच भ्रम की स्थिति बनी रहती है।

ऐसी स्थितियों में सदन के सभापति की भूमिका निर्णायक हो जाती है, उनसे उम्मीद की जाती है कि बिना किसी दलगत आग्रह के, राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर चर्चा कराएं और सरकार उस आधार पर उचित कदम उठाए। मगर न तो लोकसभा में और न राज्यसभा में ऐसी लोकतांत्रिक परंपरा दिखाई दे रही है। आखिर इस गतिरोध को दूर करने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा और कैसे भरोसा किया जाए कि संसद में कामकाज ठीक से चल सकेगा।

अखबार के पन्ने पर बने 4 गोलों का क्या है मतलब?

वैसे तो आजकल ज़माना डिजिटल हो चुका है और हमें कोई भी खबर पता करनी हो तो फोन या लैपटॉप से

जरा हट के

झट से पता कर ली जाती है. बावजूद इसके आज भी बहुत से ऐसे लोग हैं, जो अखबारों पर ही भरोसा करते हैं. उनकी सुबह का मतलब ही चाय और उसके साथ अखबार होता है. समय के साथ-साथ अखबार के पन्नों में बहुत कुछ बदलता गया लेकिन कुछ चीज़ें वैसी की वैसी रहीं.

अखबार पढ़ते वक्त आपकी नज़र कभी न कभी इसके पेज के निचले साइड में बने हुए 4 गोलों पर गई होगी. ये चार गोले क्यों बने होते हैं और इनके अलग-अलग रंगों का क्या है मतलब? क्या जानते हैं आप? आपको हर पेज के नीचे कुछ 4 रंग-बिरंगे डॉट्स देखने को मिलते हैं. आखिर इतने बड़े अखबार में इतने छोटे-छोटे गोलों का मतलब क्या है?

दरअसल ये गोले अखबार पर सही कलर पैटर्न बनाने के

लिए मार्कर का काम करते हैं. बचपन में हमने प्राइमरी कलर्स के बारे में पढ़ा था -लाल, पीला और नीला ऐसे रंग है जिन्हें हम दूसरे रंगो की मदद से नहीं बना सकते है. हालांकि इन तीन रंगो के मदद से हम तरह-तरह के रंग जरूर बना सकते है. प्राइमरी कलर्स का पैटर्न ही प्रिंटर में भी लगाया जाता है. इसमें बस एक और काला रंग जुड़ जाता है. अखबार में बने रंगीन डॉट्स CMYK कहलाते हैं. इसमें C का मतलब है Cyan या नीला. M से मजेंटा यानि गुलाबी, Y होता है पीला और K का मतलब है काला है.

यूं रंगीन हो जाता है आपका अखबार

किसी भी अखबार में रंग-बिरंगे चित्र और हेडलाइंस को दर्शाने में CMYK अहम भूमिका निभाता है. प्रिंटिंग के वक्त इन सभी रंगों की प्लेटें एक पेज पर अलग से रखी जाती हैं. जब अखबार में तस्वीर धुंधली दिखे, तो इसका मतलब है कि प्लेट्स ओवरलैप हो गई हैं. अगर एक रंग का डॉट दूसरे रंग पर चढ़ जाए तो तस्वीर का रंग भी खराब हो जाता है. यही पैटर्न किताबों और मैगज़ीनों को प्रिंट करते वक्त भी काम करता है. सबसे पहले ईगल प्रिंटिंग कंपनी ने 1906 में इस पैटर्न का इस्तेमाल किया था.

सर्दियों में गर्म कपड़े बढ़ा सकते हैं खुजली की समस्या

वजह जानकर तुरंत अपनाएंगे ये उपाय

ऊनी कपड़े पहनने से जब लोगों को त्वचा पर रैशेज और खुजली की समस्या होने लगती है। तो इसे वुलन ऐलर्जी कहा जाता है। यह समस्या आमतौर पर ऊन और स्किन हेयर के बीच होने वाले खिंचाव से पैदा होती है। जिसकी वजह से त्वचा के उस हिस्सा लाल होने के साथ छोटे-छोटे दाने निकलने लगते हैं, जिनमें लगातार खुजली होती रहती है।'

वूलन एलर्जी के लक्षण

- गर्म कपड़े पहनते ही अगर चेहरे पर लालिमा आ जाए
- त्वचा पर सूजन महसूस होने लगे।
- त्वचा पपड़ीदार हो जाए
- नाक बंद होना
- स्किन पर खुजली और रैशेज की समस्या

वूलन एलर्जी के कारण

सेंसिटिव त्वचा : जिन लोगों की त्वचा सेंसिटिव होती है, उन्हें ऊनी कपड़ों से एलर्जी होने की संभावना ज्यादा होती है। ऐसे में अगर त्वचा सेंसिटिव होने के साथ ड्राई भी है तो वूलन एलर्जी की समस्या बढ़ सकती है।

ऊन में मौजूद रोएंः ऊन में मौजूद छोटे-छोटे रोएं, त्वचा के रोएं के साथ मिलकर शरीर में गर्मी पैदा करते हैं। सेंसिटिव त्वचा इस गर्मी को बर्दाश्त नहीं कर पाती और त्वचा पर लाल चकत्ते और खुजली होने लगती है।

वूलन कपड़ों में डस्ट माइट्स : वूलन कपड़ों में छिपे डस्ट माइट्स, खुली आंखों से दिखाई नहीं देते हैं। ये डेड ह्यूमन सेल्स में पनपते हैं और ऊनी कपड़े पहनने पर स्किन से चिपक जाते हैं। उनके यूरिन से स्किन पर रैशेज होने लगते हैं।

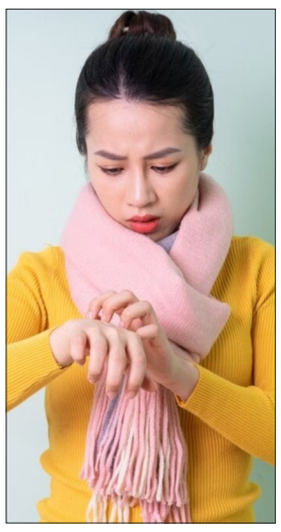

नेफ़्थलीन बॉल्स : गर्मियों में वूलन कपड़ों को कीड़ों से सुरक्षित रखने के लिए रखे गए नेफ़्थलीन बॉल्स के केमिकल रिएक्शन के कारण भी एलर्जी हो सकती है।

पॉलन : सर्दियों की स्किन एलर्जी का एक अन्य कारण पॉलन यानि पराग भी होता है। बता दें, कई पौधे पॉलन प्रोडयूस करते हैं, जो आंखों में पानी, खुजली और छींकों का कारण साबित होते हैं। इसके संपर्क में आने से कोलेजन का स्तर त्वचा में कम होने लगता है, जिससे त्वचा का रंग पीला दिखता हैं।

वूलन एलर्जी से बचने के उपाय

मॉइश्चराइजर लगाएं

सर्दियों में बॉडी से नमी खत्म होने लगती है। ऐसे में आप इस समस्या को खुद से दूर रखने के लिए ऊनी कपड़े पहनने से पहले शरीर पर मॉइश्चराइजर लगाएं।

फुल स्लीव्स कॉटन के कपड़े

ऊनी कपड़ा पहनने से पहले अंदर से फुल स्लीव्स के कॉटन कपड़े पहनें। ऐसा करने से स्किन वूलन कपड़ों के सीधे संपर्क में नहीं आएगी, जिससे एलर्जी की समस्या को दूर रखने में मदद मिलेगी।

ऑयल मसाज करें

सर्दी के मौसम में त्वचा में खुश्की की समस्या बढ़ने लगती है, जो खुजली का एक कारण बनती है। ऐसे में ठंड का मौसम शुरू होते ही पूरे शरीर पर बॉडी लोशन लगाना शुरू कर दें। इसके अलावा नहाने के बाद बाजूओं, गर्दन और टांगों पर ऑयल से मसाज करें। इस उपाय को करने से त्वचा की नमी बनी रही है और स्किन पर ऊनी कपड़ों की वजह से होने वाली जलन और खुजली की समस्या भी दूर रहती है।

धूप में रखें कपड़े

सर्दियों में गर्म कपड़ों को अनपैक करने के बाद कम से कम दिन में 3 से 4 घंटे धूप में जरूर रखें। धूप मिलने से कपड़ों, कंबल और रजाई में मौजूद बैक्टीरिया का प्रभाव कमजोर होने लगता है।

आलू-कचालू चाट

हर शहर का अपना अलग खाना है। इन चीजों में खाने की कई डिशेज और स्ट्रीट फूड शामिल हैं। ये टेस्टी होने के साथ-साथ हेल्दी भी होते हैं। आज हम एक ऐसे स्ट्रीट फूड के बारे में बता रहें है जो खाने में बेहद चटपटा होता है। ठंड के दिनों में अगर आपको चटपटा खाने की क्रेविंग होती है तो आप आलू-कचालू चाट तैयार कर सकते हैं। ये स्वाद में काफी अच्छी लगती हैं। वहीं जिन लोगों को तीखा खाना पसंद है उन्हें भी ये चाट खूब पसंद आएगी।

सामग्री :

- उबले हुए आलू कचालू
- कटा हुआ टमाटर
- 1 चम्मच बूरा
- 1 बड़ा चम्मच जीरा
- 2 बड़े चम्मच धनिया
- 3 सूखी लाल मिर्च
- 2 बड़े चम्मच काली मिर्च
- नमक स्वादानुसार
- काला नमक
- तैयार मसाला
- लाल मिर्च पाउडर
- 1/2 कप इमली का रस

- 1/2 नींबू का रस

विधि :

आलू-कचालू चाट बनाने के लिए सबसे पहले मसाले को तैयार करें। इसके लिए धीमी आंच पर जीरा, धनिया, साबुत लाल मिर्च, काली मिर्च को सूखा भून लें और फिर उसका पाउडर बना लें। पहले आलू-कचालू को अच्छे से धो लें और फिर इसे उबाल लें। उबलने के बाद थोड़ा ठंडा होने पर, इसे छीलकर गोल स्लाइस में काट लें। अब एक कटोरे में आलू-कचालू और टमाटर लें। फिर इसमें बनाए हुए मसाले को डालें। इसी के साथ इसमें नमक, थोड़ा इमली का रस, नींबू का रस और थोड़ा बूरा डालें। इन सबको बहुत अच्छे से मिलाएं और फिर सर्व करें। आप चाहें को इसमें चाटमसाला भी मिला सकते हैं। इस चाट को सजाकर सर्व करना चाहते हैं तो इसके ऊपर बारीक सेव और हराधनिया डाल सकते हैं। इसके अलावा अनार के भी कुछ दाने डालें।

खाना-खजाना

जैकेट या बैग की भी चेन खराब होने लगे तो...

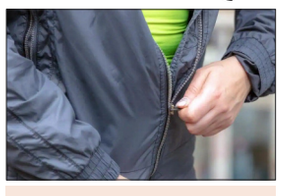

ठंड का सीजन है और जैकेट से लेकर स्वेटर में चेन लगी हुई मिलती है। चेन वाले कपड़ों को ज्यादातर लोग पसंद करते हैं। लेकिन कई बार ये चेन फंसने लगती है या फिर ठीक से बंद नहीं होती। जिसकी वजह से पूरा जैकेट या स्वेटर ही खराब हो जाता है। कई बार बैग या पर्स वगैरह की चेन भी फंसने लगती है और बंद नहीं होती। चेन किसी भी चीज की हो, अगर वो ठीक से बंद नहीं होती और फंसती है तो घर में मात्र इन तरीकों से ठीक किया जा सकता है।

इन हैक्स से कर लें ठीक

साबुन की मदद से

जैकेट, स्वेटर या बैग किसी की भी चेन अगर फंसती है और आपके घर में कुछ भी नहीं तो बस नहाने वाले सोप का इस्तेमाल करें। नहाने वाला सोप काफी क्रीमी और सॉफ्ट होता है। बस चेन के ऊपर साबुन को रगड़ें। इससे टाइट और ठीक से ना बंद होने वाली चेन ठीक हो जाती है और आसानी से बंद होने लगती है।

नारियल का तेल लगाएं

अगर बैग या जैकेट की चेन फंस रही और ठीक से बंद ना होकर खुल जाती है तो चेन के ऊपर हल्का सा नारियल का तेल लगाएं। ध्यान रहे कि नारियल के अलावा दूसरा कोई तेल इस्तेमाल ना करें। नारियल का तेल चेन को चिकनाई देता है।

रनर को टाइट करें

इसके साथ ही चेन के रनर को हल्का सा प्लास की मदद से दबाएं। कई बार रनर ढीला हो जाता है। जिसकी वजह से चेन बंद नहीं हो पाती। लेकिन ध्यान रहे कि ज्यादा ना प्रेशर दें नहीं तो रनर टूट सकता है।

मोम रगड़े

मोम रगड़ने का तरीका सबसे पुराना है और ज्यादातर लोग चेन ठीक करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

सर्दी बढ़ा सकती है गठिया की दिक्कतें

जानिए क्या है इसका कारण और कैसे करें बचाव

सर्दियों के इस मौसम को सेहत के लिए कई प्रकार से चुनौतीपूर्ण माना जाता है। कम तापमान में कई वायरस सक्रिय हो जाते हैं जिसके कारण इंफ्लूएंजा और अन्य संक्रमण का खतरा तो बढ़ ही जाता है साथ ही साथ ये मौसम उन लोगों के लिए भी समस्याकारक है जो हड्डियों और जोड़ों की दिक्कत से परेशान हैं। ठंड के महीनों के दौरान, गठिया से पीड़ित लोगों की दिक्कतें ट्रिगर हो सकती हैं, जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है और आप अधिक असहज महसूस कर सकते हैं। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ ऐसे लोगों को सर्दियों के मौसम में विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह देते हैं।

इस मौसम में क्या उपाय करने चाहिए?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ठंड के दिनों में गठिया की समस्या के बढ़ने का एक कारण यह भी है कि इस मौसम में अक्सर लोगों की शारीरिक गतिविधि कम हो जाती है। व्यायाम कम करने और शारीरिक रूप से निष्क्रिय रहने के

कारण मांसपेशियों में कमजोरी और जोड़ों में अकड़न पैदा हो सकती है। सर्दियों में सूरज की रोशनी भी कम निकलती है जो विटामिन-डी का स्त्रोत है। विटामिन-डी की कमी हड्डियों के लिए बहुत नुकसानदायक है।

इस तरह की स्थितियों में अपनी हड्डियों को स्वस्थ रखने और गठिया की दिक्कतों से बचे रहने के लिए आप पहले से ही कुछ प्रयास कर सकते हैं।

ठंड से बचने का करें प्रयास

सर्दी के मौसम में अपने शरीर को गर्म रखना जोड़ों की समस्याओं से बचे रहने के लिए सबसे जरूरी है। शरीर को गर्म रखने के लिए इलेक्ट्रिक कंबल, रूम हीटर या वार्मर का उपयोग करें। सर्दियों में ऊनी कपड़े और थर्मल पहनें, विशेषकर जोड़ों को ढककर रखें। इन उपायों की मदद से जोड़ों की अकड़न से बचा जा सकता है। जोड़ों की गर्म सेकाई करना भी अच्छा विकल्प है, इसकी मदद से भी आप लक्षणों को बिगड़ने से रोक सकते हैं।

नियमित व्यायाम जरूरी

नियमित व्यायाम की आदत संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए जरूरी है। इसकी मदद से जोड़ों की गतिशीलता को भी बनाए रखने में मदद मिलती है। अगर ठंड के कारण टहलना बहुत मुश्किल है, तो योग और स्ट्रेचिंग जैसे हल्के इनडोर व्यायाम करें। व्यायाम मांसपेशियों की ताकत और जोड़ों की गतिशीलता को बनाए रखने में मदद करते हैं। डॉक्टर कहते हैं, जो लोग नियमित व्यायाम करते हैं उनमें गठिया या इसके कारण होने वाली समस्याओं का जोखिम कम होता है।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

आज का राशिफल

मेष : भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुसंगति से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

वृषभ : अध्यात्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का मौका हाथ आएगा। सुख-शांति बने रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल चलेगा। मित्रों का सहयोग लाभ में वृद्धि करेगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। जोखिम के कार्य टालें।

मिथुन : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। भाइयों से सहयोग मिलेगा। कुसंगति से हानि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। जल्दबाजी न करें।

कर्क : बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। समय पर बाहर से धन नहीं मिलने से निराशा रहेगी। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। नौकरी में अधिकारी अधिक की अपेक्षा करेंगे। मातहतों का साथ नहीं मिलेगा। थकान रहेगी।

सिंह : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सभी काम समय पर होने से प्रशंसा प्राप्त होगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। प्रमाद न करें।

कन्या : पुराने साथियों तथा रिश्तेदारों से मुलाकात सुखद रहेगी। अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। किसी नए उपक्रम को प्रारंभ करने पर विचार होगा। लंबी यात्रा की इच्छा रहेगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी न करें।

तुला : कारोबार से लाभ होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। अज्ञात भय रहेगा। अनहोनी की आशंका रहेगी। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

वृश्चिक : फालतू खर्च होगा। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई भी निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें। काम में मन नहीं लगेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु : डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम हाथ में आएंगे। कारोबारी वृद्धि से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अज्ञात भय रहेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मकर : योजना फलीभूत होगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। मेहनत सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी से बचें। विवेक का प्रयोग करें। भाग्य का साथ मिलेगा।

कुंभ : राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। समय की अनुकूलता मिलेगी।

मीन : नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। नए काम मिल सकते हैं। कार्य से संतुष्टि रहेगी। प्रसन्नता तथा उत्साह का वातावरण बनेगा। कारोबार लाभदायक रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खबरें गांव की...

मेरठ में दारोगा समेत पूरी चौकी ही सस्पेंड

मेरठ. यूपी के मेरठ में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. विपिन ताडा ने खिवाई चौकी पर एक्शन लेते हुए चौकी इंचार्ज समेत छह पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। एसएसपी ने दो दिन में 14 पुलिसकर्मियों पर गाज गिराई है, जिसके बाद पुलिस महकमे हड़कंप मचा है। हर्रा खिवाई के जंगल में मंगलवार को कुछ किसान गन्ना छिलाई के लिए निकले थे। इसी दौरान एक गड्ढे में उन्हें पशु अवशेष दिखाई दिए। इसकी भनक लगते ही बजरंग दल कार्यकर्ता वहां पहुंचे और हंगामा कर दिया। सीओ सरधना को मौके पर पहुंचना पड़ा। शुरुआती छानबीन में खिवाई चौकी की लापरवाही उजागर हुई। जिसकी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी गयी। इसी रिपोर्ट को आधार बनाते हुए एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बुधवार को उप निरीक्षक रामवीर सिंह, मुख्य आरक्षी अशोक कुमार व नीरज सिंह के अलावा आरक्षी भूपेंद्र यादव, विवेक कुमार और अमित पंवार को निलंबित कर दिया।

किराना दुकानदार की गोली मारकर हत्या

बरेली. बरेली में अलीगंज क्षेत्र के गांव में बुधवार रात दुकान के बाहर सो रहे किराना दुकानदार की सीने में गोली मारकर हत्या कर दी गई। परिजन ने पड़ोसी गांव के तीन दबंगों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार अलीगंज के गांव रोहतापुर निवासी 18 वर्षीय सत्यपाल सड़क किनारे किराना की दुकान चलाता है। सत्यपाल के भाई दिनेश ने बताया रोजाना की तरह ही बुधवार रात भी सत्यपाल दुकान बंद करके बाहर बरामदे में सो रहा था। रात करीब 12 बजे पड़ोसी गांव के तीन दबंग पहुंचे और सीने में गोली मारकर उनके भाई सत्यपाल की हत्या कर दी। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सड़क किनारे झाड़ियों में मिला अधजला शव

सुल्तानपुर. यूपी के सुल्तानपुर में थाना बल्दीराय क्षेत्र के हंसुई मुकुंदपुर मोड़ पर कूरे भार हलियापुर सड़क किनारे बुधवार सुबह अधजला शव देखा गया। शव मिलने की जानकारी होते ही लोगों में हड़कंप मच गया। आशंका जताई जा रही है युवक की हत्या कर शव की पहचान छुपाने के लिए उसे जलाकर झाड़ियों में फेंक दिया गया। इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने स्थानीय पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस व फॉरेंसिक टीम जांच पड़ताल में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि युवक की पहचान सोशल मीडिया के जरिए करने की कोशिश जारी है।

घटना थाना क्षेत्र के हसुई मुकुंद गांव की है। यहां कूरेभार-हलियापुर सड़क के किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में सरपत की झाड़ियों में लगभग 35 वर्षीय एक अज्ञात युवक का अधजला शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। खबर सुनते ही सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण व राहगीर मौके पर पहुंच गये। घंटों मशक्कत के बाद भी शव की पहचान नहीं हो सकी। स्थानीय लोगों की सूचना पर स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पहुंचकर शव की शिनाख्त के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। वहीं सूचना मिलते ही फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की है।

दुनिया में सड़क हादसों का सबसे गंदा रिकॉर्ड हमारा

नई दिल्ली. केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि जब भी मैं किसी अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में शामिल होने जाता हूं और वहां सड़क हादसों को लेकर बात होती है, तो मैं अपना मुंह छुपाने की कोशिश करता हूं। लोकसभा में सड़क हादसों पर चर्चा के दौरान गडकरी ने कहा कि दुनिया में सड़क हादसों को लेकर सबसे खराब रिकॉर्ड हमारा है। स्वीडन रोड एक्सीडेंट को जीरो पर ले आया है, और भी बहुत से देशों ने इसे कम किया है।

मैं बहुत ट्रांसपेरेंट हूं इसलिए बता रहा हूं कि जब मैंने सड़क परिवहन मंत्रालय का जिम्मा संभाला था, तो मैंने 2024 तक सड़क हादसों और इससे होने वाले मौतों को 50% कम

गडकरी बोले- वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस में मुंह छिपाता हूं: देश में एक्सीडेंट कम होने की बजाय बढ़े हैं

करने का लक्ष्य रखा था। एक्सीडेंट कम करना तो भूल जाइए। मुझे तो ये स्वीकार करने में भी कोई शर्म नहीं है कि ये बढ़ गए हैं। इसलिए किसी भी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में सड़क हादसों पर चर्चा होने पर मैं मुंह छिपाने की कोशिश करता हूं।

गडकरी बोले- मुझे दुर्घटनाओं का अनुभव है

प्रश्नकाल के दौरान सवाल का जवाब देते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि भारत में हालात तब बदलेंगे जब इंसानी व्यवहार और समाज में बदलाव आएगा और कानून के प्रति सम्मान होगा। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि कुछ साल पहले उनके और उनके परिवार का एक बड़ा सड़क हादसा हुआ था, जिसमें उन्हें लंबे समय तक अस्पताल में रहना पड़ा। उन्होंने कहा, 'भगवान की कृपा से मैं और मेरा परिवार बच गए। मुझे दुर्घटनाओं का व्यक्तिगत अनुभव है।'

सड़क पर ट्रकों की पार्किंग से बढ़ते हैं हादसे

गडकरी ने कहा कि सड़कों पर ट्रकों की पार्किंग दुर्घटनाओं का बड़ा कारण है, और कई ट्रक लेन अनुशासन का पालन नहीं करते। गडकरी ने बताया कि उन्होंने भारत में बस की बॉडी के निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि बस की खिड़की के पास एक हथौड़ा होना चाहिए, जिससे दुर्घटना की स्थिति में खिड़की को आसानी से तोड़ा जा सके।

सड़क हादसों के आंकड़े

1.78 लाख
हर साल होने वाले सड़क हादसे
60% विक्टिम
18 से 34 साल की उम्र वाले

सड़क हादसों से मौत के मामले में UP सबसे आगे

उत्तर प्रदेश : 23,000
तमिलनाडु : 18,000
महाराष्ट्र : 15,000
मध्य प्रदेश : 13,000

शहरों में सड़क हादसों से मौतों में दिल्ली अव्वल

दिल्ली : 1,400
बेंगलुरु : 915
जयपुर : 850

दावा- एक देश-एक चुनाव बिल कैबिनेट से मंजूर

- अगले हफ्ते संसद में लाया जाएगा
- पास हुआ तो 2029 तक एक साथ देशभर में चुनाव

नई दिल्ली. केंद्रीय कैबिनेट से एक देश-एक चुनाव लागू करने के विधेयक को मंजूरी मिल गई है। न्यूज एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। इसमें कहा गया है कि अगले हफ्ते बिल को संसद में पेश किया जा सकता है। सरकार इस बिल पर आम सहमति बनाना चाहती है, लिहाजा संसद से बिल को चर्चा के लिए जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (JPC) के पास भेजा जाएगा। JPC इस बिल पर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेगी। सितंबर में सरकार ने इसके लिए बनाई गई हाईलेबल कमेटी की सिफारिशों को मंजूरी दी थी, जिसमें लोकसभा, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों को चरणबद्ध तरीके से एक साथ कराने का प्रस्ताव था। सिफारिशों के अनुसार, पहला बिल संविधान के अनुच्छेद 82A में संशोधन करेगा, जिससे लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल की समाप्ति एक साथ हो सके।

इस बिल को लागू करने के लिए राज्यों से सहमति की जरूरत नहीं होगी, लेकिन अगर स्थानीय निकाय चुनावों को लोकसभा और विधानसभा चुनावों के साथ करने का प्रस्ताव आता है, तो उसे कम से कम 50 प्रतिशत राज्यों की विधानसभाओं से मंजूरी की आवश्यकता होगी।

बिल पास हुआ तो 2029 तक वन नेशन-वन इलेक्शन

कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक देश-एक चुनाव लागू करने के लिए कई राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल घटेगा।

जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव 2023 के आखिर में हुए हैं, उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

विधि आयोग के प्रस्ताव पर सभी दल सहमत हुए तो यह 2029 से ही लागू होगा। इसके लिए दिसंबर 2026 तक 25 राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने होंगे।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रिपोर्ट सौंप चुके

वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितंबर 2023 को एक पैनल बनाया गया था। इस पैनल ने स्टेकहोल्डर्स-एक्सपर्ट्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च के बाद 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

अमित शाह के दौरे से पहले अबूझमाड़ में 7 नक्सली ढेर

- 1 हजार से ज्यादा जवानों ने नक्सलियों को घेरा

बस्तर. बस्तर में अमित शाह के दौरे से पहले अबूझमाड़ के रेकावाया इलाके में सुरक्षाबलों ने 7 नक्सलियों को मार गिराया है। इनके शव भी बरामद कर लिए गए हैं। मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि की है। अभी भी दोनों तरफ से गोलीबारी हो रही है।

चार जिले के एक हजार से ज्यादा जवानों ने नक्सलियों को घेर रखा है। इनमें नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर और कोंडागांव जिले की DRG, STF और CRPF की टीम शामिल है। बता दें कि, 1 जनवरी से अब तक 215 नक्सली मारे गए हैं।

एक साल साल में 220 नक्सली मारे- गृह मंत्री

विजय शर्मा ने पुलिस-नक्सली मुठभेड़ पर बयान दिया कि, कांग्रेस कार्यकाल के दौरान पिछले 5 सालों में जितने नक्सली मारे गए थे, उससे ज्यादा केवल साल भर में 220 नक्सली भाजपा की सरकार के दौरान मार गिराया गया है।

भीड़ ने मुफ्ती को NIA से छुड़ाया

विदेशी फंडिंग केस मस्जिद से अनाउंसमेंट, महिलाओं ने टीम को घेरा

झांसी. उत्तर प्रदेश के झांसी में शहर काजी के भतीजे मुफ्ती खालिद नदवी को उग्र भीड़ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की हिरासत से छुड़ाकर ले गई। NIA ने यूपी ATS के साथ विदेशी फंडिंग मामले में बुधवार रात 2.30 बजे सुपर कॉलोनी में मुफ्ती के घर छापा मारा। टीम ने 8 घंटे तक घर में तलाशी और पूछताछ की। गुरुवार सुबह जब मुफ्ती को हिरासत में लेकर टीम घर से बाहर निकलने लगी तो समर्थकों ने विरोध शुरू कर दिया। टीम ने समझाने की कोशिश की, लेकिन मुफ्ती के समर्थक बहस करने करते हुए उग्र हो गए। देखते ही देखते वहां 200 से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई, इनमें ज्यादातर महिलाएं थीं।

भीड़ मुफ्ती को छुड़ाकर ले जाने लगी। NIA ने लोगों को खदेड़ने की कोशिश की। इस बीच झड़प और धक्का-मुक्की हुई। लोग मुफ्ती को खींचकर साथ ले गए। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के अलीगोल खिड़की के पास सलीम बाग की है। इस दौरान हंगामा कर रहे लोगों और परिवार के लोगों को समझाया, फिर सभी माने। पुलिस को इसमें 3 घंटे का वक्त लग गया।

मस्जिद से अनाउंसमेंट के बाद जुटी भीड़

जिस सुपर कॉलोनी में मुफ्ती का घर है, वह इलाका मुस्लिम बहुल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि NIA टीम जब मुफ्ती को लेकर जाने लगी तो मस्जिद से अनाउंसमेंट करके भीड़ को बुलाया गया। इसके बाद अचानक बड़ी संख्या में महिलाएं भी पहुंच गईं।

NIA की हिरासत से छुड़ाकर भीड़ मुफ्ती खालिद को उनके घर से 50 मीटर दूर बनी फातिमा मस्जिद में ले गई। मुफ्ती को अंदर कर दिया। 200 की संख्या में महिलाएं और पुरुष मस्जिद के बाहर खड़े हो गए। भीड़ को देखकर NIA और यूपी ATS की टीम वहां से हट गई।

परभणी हिंसा के बाद 50 लोग हिरासत में लिए गए

- धारा- 187 लागू
- लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए SRPF की 1 कंपनी बुलाई गई

परभणी. महाराष्ट्र के परभणी में हिंसा के बाद अब तक 8 मामले दर्ज किए गए हैं और 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। नांदेड़ के आईजी शाहजी उमाप ने बताया कि हिंसा के दौरान एक सब इंस्पेक्टर समेत 9 पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं। CCTV फुटेज की जांच की जा रही है। तोड़-फोड़ में शामिल सभी लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

शहर में तनावपूर्ण शांति है। इसके मद्देनजर बुधवार से ही शहर में BNS की धारा 187 (IPC की धारा 144 की तरह) लागू कर दी

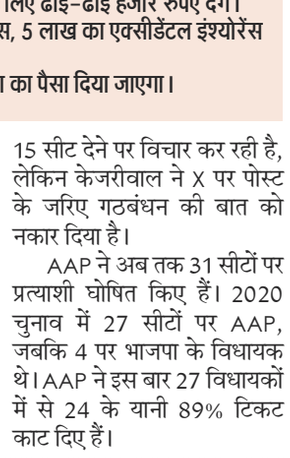

गई है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य रिजर्व पुलिस फोर्स (SRPF) की एक कंपनी बुलाई गई है।

आईजी ने कहा कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उसका इलाज चल रहा है। जांच के दौरान पता चला है कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। मैं घटना को ज्यादा तूल दिए बिना शांति बनाए रखने की अपील करता हूं।

दरअसल, मंगलवार को सोपन दत्ताराव पवार (45) नाम के व्यक्ति ने परभणी रेलवे स्टेशन के सामने अंबेडकर स्मारक में संविधान की प्रतिकृति को तोड़ने की कोशिश की थी। इसके बाद लोगों ने उसे बुरी तरह पीटा।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, इसके बाद भी विरोध खत्म नहीं हुआ। घटना के खिलाफ बुधवार को बुलाए गए बंद के दौरान हिंसा भड़क गई। प्रदर्शनकारियों ने कलेक्टर ऑफिस में भी तोड़-फोड़ की।

तीन छात्रों ने शिक्षक पर चाकू से किया वार

बहराइच. बहराइच से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां मिहींपुरवा के नवयुग इंटर कॉलेज में पाबंदी के बावजूद मोबाइल लाने पर टीचर ने मोबाइल जब्त कर लिया था, बाद में लौटा दिया। लेकिन इससे नाराज तीन इंटरमीडिएट के छात्रों ने सुनियोजित तरीके से गुरुवार को क्लासटीचर पर कक्षा के भीतर ही चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

इंजीनियर सुसाइड केस- ससुराल वाले घर छोड़कर भागे

- पुलिस पहुंचने से पहले रात 1.30 बजे बाइक से गए, सास हाथ जोड़ती रही

जौनपुर. बेंगलुरु पुलिस के जौनपुर पहुंचने से पहले सुसाइड करने वाले AI इंजीनियर अतुल सुभाष की सास और साला घर छोड़कर भाग गए। देर रात तक 12 बजे इंजीनियर की ससुराल के घर के बाहर मीडियाकर्मियों का जमावड़ा रहा। जैसे ही मीडियाकर्मी वहां से हटे, बुधवार रात डेढ़ बजे सास निशा और साला अनुराग सिंघानिया ने घर पर ताला लगाया। गली से भागते हुए सास मेन सड़क पर पहुंची। बेटा बाइक लेकर वहां खड़ा हुआ था। इसके बाद मां-बेटे फरार हो गए। कहां गए? यह बात पता नहीं चली है।

बेंगलुरु पुलिस जांच के सिलसिले में बुधवार को जौनपुर पहुंचने वाली थी, लेकिन नहीं आई। अब पुलिस आज पहुंचेगी। अतुल सुभाष का शव बेंगलुरु में उनके फ्लैट से मिला था। इस मामले में 4 लोगों पर FIR दर्ज की गई है। FIR में अतुल की पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया, साले अनुराग सिंघानिया और चाचा ससुर सुशील सिंघानिया का नाम है।

इधर, मां-बेटे के भागते वक्त का एक वीडियो सामने आया है। इसमें सास मीडियाकर्मी के सामने हाथ जोड़ रही है। मीडियाकर्मी ने उनसे पूछा कि कहां जा रही हैं? लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। अतुल सुभाष की ससुराल जौनपुर शहर के पॉश इलाके रुहट्टा में है। 3 मंजिला बिल्डिंग में ससुराल वाले रहते हैं।

2034 फुटबॉल वर्ल्ड कप की मेजबानी सऊदी अरब को

- FIFA ने कन्फर्म किया
- 2030 का सीजन स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को में होगा

2034 का फुटबॉल वर्ल्ड कप सऊदी अरब में खेला जाएगा। इतना ही नहीं, 2030 के वर्ल्ड कप की मेजबानी स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को मिलकर करेंगे। दुनिया में फुटबॉल संचालित करने वाली संस्था FIFA ने बुधवार रात को यह ऐलान किया।

2034 वर्ल्ड कप के आयोजन के लिए केवल सऊदी अरब ने बिड किया था। ऐसे में ज्यूरिख में वर्ल्ड बॉडी की स्पेशल मीटिंग के बाद प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो ने सऊदी अरब को ऑफिशियल होस्ट घोषित किया।

इससे पहले 1930 में उरुग्वे ने वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी। वे 2030 वर्ल्ड कप के पहले मैच को होस्ट करेगा। ओपनिंग सेरेमनी भी इसी देश में होगी। उरुग्वे के अलावा, अर्जेंटीना और पराग्वे भी 2030 वर्ल्ड कप के एक-एक मैच होस्ट करेंगे।

फुटबॉल वर्ल्ड कप का पिछला सीजन 2022 में कतर में हुआ था। इसे अर्जेंटीना की टीम ने जीता था। टीम ने फाइनल मुकाबले में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। इससे मुकाबला 3-3 से बराबर रहा था। मुकाबले में लियोनल मेस्सी ने 2 गोल दागे थे, जबकि फ्रांस के किलियन एम्बापे ने 3 गोल दागे थे।

रोनाल्डो ने लिखा- सपना सच हुआ

इस ऐलान के बाद दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक पोस्ट शेयर की। उन्होंने लिखा- 'अब तक का सबसे खास वर्ल्ड कप, सपना सच हुआ। पुर्तगाल 2030 वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा और हमें इस पर गर्व है।'

दिल्ली सरकार महिलाओं को हर महीने 1000 रु. देगी

- महिला सम्मान योजना आज से ही लागू
- केजरीवाल का ऐलान- चुनाव बाद 2100 देंगे

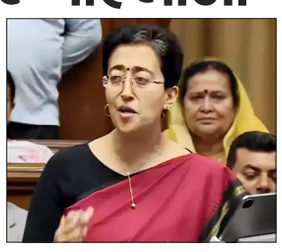

नई दिल्ली. दिल्ली सरकार महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए देगी। इसे महिला सम्मान योजना नाम दिया गया है।

18 साल की उम्र पूरी करने वाली हर महिला इस स्कीम के दायरे में आएगी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को इस स्कीम का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि योजना के लिए आज से ही रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएंगे। केजरीवाल ने यह भी कहा कि चुनाव बाद महिलाओं को हर महीने मिलने वाली रकम को बढ़ाकर ₹2100 कर दिया जाएगा।

दिल्ली में अकेले चुनाव लड़ेगी AAP

दिल्ली में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (AAP) और कांग्रेस के बीच गठबंधन की अटकलों को अरविंद केजरीवाल ने खारिज कर दिया। AAP प्रमुख केजरीवाल ने कहा है कि आम आदमी पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ेगी।

बुधवार को यह खबर सामने आई थी कि AAP दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 15 सीट देने पर विचार कर रही है, लेकिन केजरीवाल ने X पर पोस्ट के जरिए गठबंधन की बात को नकार दिया है।

AAP ने अब तक 31 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। 2020 चुनाव में 27 सीटों पर AAP, जबकि 4 पर भाजपा के विधायक थे। AAP ने इस बार 27 विधायकों में से 24 के यानी 89% टिकट काट दिए हैं।

ऑटो चालकों के लिए किए थे 4 ऐलान

1. ऑटो चालक की बेटी की शादी के लिए 1 लाख रुपए दिए जाएंगे।
2. होली-दिवाली पर वर्दी बनवाने के लिए ढाई-ढाई हजार रुपए देंगे।
3. 10 लाख रुपए का लाइफ इंश्योरेंस, 5 लाख का एक्सीडेंटल इंश्योरेंस कराया जाएगा।
4. ऑटो चालकों के बच्चों की कोचिंग का पैसा दिया जाएगा।

'नौकरी देने वाले राजनीतिक जंग में न घसीटे जाएं'

- अडानी मुद्दे पर बोले सद्गुरु जग्गी वासुदेव

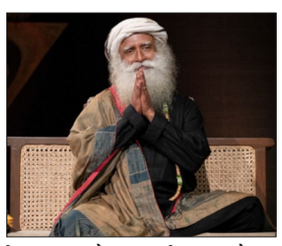

नई दिल्ली. संसद के शीत सत्र में लगातार जारी हंगामे के बीच सद्गुरु जग्गी वासुदेव की भी टिप्पणी आई है। उनका कहना है कि संसद को जंग का मैदान नहीं बनाना चाहिए और वहां चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने एक्स पर लिखा है, 'यह दिल दुखाने वाला है कि भारत की संसद में लगातार हंगामा जारी है। खासतौर पर तब जब हम पूरी दुनिया को लोकतंत्र की राह दिखाते हैं और हमें एक उम्मीद की तरह देखा जाता है। भारत में संपदा तैयार करने वालों और नौकरी देने वालों को राजनीतिक संघर्ष में नहीं घसीना चाहिए। वे राजनीतिक वाद-विवाद का हिस्सा नहीं होने चाहिए।'

इसके आगे वह लिखते हैं, 'यदि किसी भी तरह का मतभेद है तो फिर उसे नियमों के दायरे में रहकर ही सुलझा लेना चाहिए। लेकिन इस पर राजनीतिक फुटबॉल नहीं खेलनी चाहिए। सबसे अहम बात यह है कि भारत में कारोबार फलने-फूलने चाहिए। यही एक मात्र रास्ता है, जिससे भारत भव्य भारत बन सकेगा।' इस तरह सद्गुरु ने संसद में अडानी के मुद्दे पर चल रहे हंगामे के बीच अपनी राय दी है। उनका कहना है कि संसद राजनीतिक चर्चा का केंद्र है और वहां सभी मामलों पर बहस होनी चाहिए, लेकिन इस तरह हंगामा करके सदन को स्थगित रखना ठीक नहीं है।

JNU में 'द साबरमती रिपोर्ट' की स्क्रीनिंग के दौरान बवाल

नई दिल्ली. दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (JNU) में फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की स्क्रीनिंग के दौरान बवाल हो गया।

ABVP ने इस फिल्म की स्क्रीनिंग रखी थी। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक इस दौरान कुछ छात्रों ने पथराव किया। उन्होंने यूनिवर्सिटी में लगाए गए फिल्म के पोस्टर फाड़ दिए। एक छात्र ने मीडिया को बताया कि यह फिल्म एक तरफा कहानी दिखती है। इसमें ये दिखाया गया है कि गोधरा कांड के बाद क्या हुआ, लेकिन ये नहीं दिखाया गया है कि पहले क्या हुआ था, जिसकी वजह से गोधरा जैसा हादसा हुआ।

PUBLIC NOTICE

TAKE NOTICE THAT on behalf of our clients, we are investigating the right, title and interest, in respect of the leasehold rights in property bearing MIDC Plot no. 1 admeasuring 2791 sq. mtrs. in Ambernath Industrial Area, situated within the village limits of Morivali, Taluka Ambernath, District Thane, more particularly described in the Schedule hereunder **("said property").**

Any person having any share, right, title, benefit, interest, claim, objection and/or demand in respect of the said property or any part thereof by way of sale, transfer, exchange, assignment, mortgage, charge, gift, trust, muniment, inheritance, occupation, possession, tenancy, subtenancy, leave and license, license, care-taker basis, lease, sub-lease, lien, maintenance, easement, covenant, release, relinquishment, grant, or any other method through any agreement, deed, document, writing, conveyance deed, devise, bequest, succession, family arrangement/ settlement, memorandum of understanding, litigation, decree or court order of any court of Law, contracts/agreements or encumbrance or otherwise howsoever are hereby requested to make the same known in writing to the undersigned within 21 (Twenty One) days from the date of publication of this notice of such claim/s, if any, with all supporting documents, failing which the claim, demand, right, title, interest, dispute, or objection, if any, of such person shall be treated as waived/abandoned and not binding on our clients.

SCHEDULE
("SAID PROPERTY")

Leasehold Rights of all that piece and parcel of leasehold land bearing Plot no. 1 admeasuring 2791 sq. mtrs. in MIDC Ambernath Industrial Area, situated within the village limits of Morivali, Taluka Ambernath, District Thane and in the jurisdiction of Sub-Registrar of Ulhasnagar, SubDistrict Registration District - Thane.

Dated this 12th day of December, 2024.

Adv. Mohit S. Makhija
204, Rewa Chambers,
31, New Marine Lines, Mumbai, 400020
Makhija.s.mohit@gmail.com
No. +91-9921550022 En. No- MAH/5034/202

संक्षेप...

झगड़े का वीडियो बनाने पर गालीगलौज

भिवंडी. राहनाल ग्राम पंचायत क्षेत्र की पद्मावती रेसीडेंसी नामक बिल्डिंग में महिलाओं के बीच हुए झगड़े का वीडियो मोबाइल से रिकॉर्ड करने पर एक युवक को गालीगलौज और धमकी मिली है. शिकायत के बाद 4 लोगों के खिलाफ नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ है. राजू रामनरेश गुप्ता ने महिलाओं के आपसी झगड़े का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया. इससे नाराज होकर सत्यम झा, शिवम झा और उनके 2 अज्ञात साथी राजू गुप्ता के फ्लैट में जबरदस्ती घुस गए. राजू गुप्ता से वीडियो रिकॉर्डिंग के बारे में पूछताछ करते हुए गालीगलौज की और मारपीट भी की. नारपोली पुलिस ने सत्यम झा, शिवम झा और उनके दो अज्ञात साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है.

महाराष्ट्र कैबिनेट का फॉर्मूला तय

- मोदी-शाह से मिले फडणवीस
- पवार बोले- 14 को शपथ लेंगे मंत्री
- 5 दिसंबर को CM-डिप्टी सीएम ने शपथ ली थी

मुंबई. महाराष्ट्र में 5 दिसंबर को सरकार गठन के 9 दिन बाद शनिवार को मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कैबिनेट विस्तार का फॉर्मूला तय हो गया है। डिप्टी सीएम अजित पवार ने बताया कि 14 दिसंबर को कैबिनेट का विस्तार होगा। विभागों के बंटवारे पर अभी फैसला नहीं हुआ है। फडणवीस ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में मुलाकात की।

फडणवीस ने बुधवार देर रात और पवार ने गुरुवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे दिल्ली नहीं पहुंचे। फडणवीस ने बताया कि शाह के साथ मीटिंग के दौरान मंत्रिमंडल पर चर्चा की गई।

BJP के सबसे ज्यादा मंत्री

सूत्रों के मुताबिक, शाह-फडणवीस की मुलाकात के दौरान मंत्रिमंडल का फॉर्मूला करीब-करीब तय हो चुका है और आज इस पर फाइनल मुहर लग सकती है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पद के बंटवारे का फॉर्मूला तय हो गया है। भाजपा को 20, शिवसेना को 12 और एनसीपी को 10 मंत्री पद दिए जा सकते हैं। राज्य में सीएम समेत कुल 43 मंत्री हो सकते हैं।

गृह मंत्रालय को लेकर मंत्रिमंडल विस्तार अटका

सूत्रों के मुताबिक, शिंदे सरकार में डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस के पास ही गृह मंत्रालय था। वो इस मंत्रालय को छोड़ना नहीं चाहते हैं। उधर शिंदे गुट का तर्क है कि अगर डिप्टी CM का पद हमें मिल रहा है तो गृह मंत्रालय भी उन्हें ही मिलना चाहिए। भाजपा गृह, राजस्व, उच्च शिक्षा, कानून, ऊर्जा, ग्रामीण विकास अपने पास रखना चाहती है। उन्होंने शिवसेना को हेल्थ, शहरी विकास, सार्वजनिक कार्य, उद्योग ऑफर किया है। NCP अजित गुट को वित्त, योजना, सहयोग, कृषि जैसे विभाग देने की पेशकश की है।

फडणवीस-शिंदे-पवार ने 2 दिन पहले 90 मिनट मीटिंग की

मंगलवार रात CM फडणवीस, डिप्टी CM एकनाथ शिंदे और अजीत पवार ने करीब डेढ़ घंटे तक बैठक की। इस बैठक में मंत्रिमंडल के गठन, विभागों के बंटवारे, विभिन्न जिलों के प्रभारी मंत्रियों, निगमों के अध्यक्षों की नियुक्ति पर चर्चा हुई। पूर्व कैबिनेट मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने इस बैठक के बाद कहा था कि कैबिनेट में किसे शामिल किया जाएगा और किसे नहीं यह फैसला CM फडणवीस करेंगे।

मां ने की अपने 1 साल के बच्चे की हत्या

- पानी की टंकी में फेंककर मार डाला
- दिल की बीमारी से पीड़ित था बच्चा

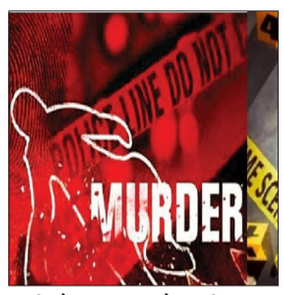

कल्याण. वासिंद के कासने गांव में बुधवार सुबह दिल की बीमारी से पीड़ित एक वर्षीय बच्चे की उसकी मां ने कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि 22 वर्षीय अपेक्षा भोय अपने ससुराल वालों के "अस्वस्थ बच्चे को जन्म देने" के आरोपों से निराश थी; वह इस बात से भी परेशान थी कि उसकी सास ज्यादातर समय बच्चे को संभालती थी और उसने भविष्य में होने वाली परेशानियों से बचने के लिए बच्चे की हत्या करने की बात कबूल की।

एक वर्षीय बेटे की हत्या के आरोप में युवती गिरफ्तार भोय परिवार पडघा के पास कासने गांव में रहता है और मृतक के पिता संदेश पास के गोदाम में रात की शिफ्ट में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करते हैं। उनका और अपेक्षा का बेटा पार्थ एक साल पहले दिल की बीमारी से पीड़ित पैदा हुआ था और उसका मुंबई के वाडिया अस्पताल में इलाज चल रहा था। इस वजह से अपेक्षा और उसकी सास के बीच अक्सर विवाद होता था, जो अक्सर बीमार बच्चे को जन्म देने के लिए अपेक्षा को दोषी ठहराती थी।

अपेक्षा की दादी और पार्थ की दादी उसे टिटवाला में अपनी बेटी के घर ले गईं। लेकिन जल्द ही लड़के को बुखार हो गया, संभवतः पर्यावरण में बदलाव के कारण। चिंतित होकर, उसकी दादी उसी रात उसे लेकर कासने लौट आईं, जिसके बाद उसकी बिगड़ती सेहत को लेकर उसकी दादी और माँ के बीच फिर से बहस हुई। बुधवार की सुबह, पडघा पुलिस को सूचना मिली कि एक वर्षीय लड़का पानी की टंकी में मृत पाया गया है। उसकी माँ ने शुरू में दावा किया कि उसका बेटा लापता हो गया था और उसकी मौत के लिए एक बाहरी व्यक्ति जिम्मेदार है, लेकिन इंस्पेक्टर बाला कुंभार के नेतृत्व में और महिला कर्मियों सहित पुलिस दल ने उससे पूछताछ जारी रखी। पुलिस ने कहा कि एक बार जब उन्होंने उसका विश्वास जीत लिया, तो वह टूट गई और उसने अपना अपराध कबूल कर लिया।

पडघा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, ₹बुधवार की सुबह, जब संदेश अपनी नाइट शिफ्ट से लौटने के बाद सो रहा था, तब अपेक्षा ने स्थिति का फायदा उठाया और पार्थ को घर की पहली मंजिल पर 5,000 लीटर की पानी की टंकी में फेंक दिया।₹

ग्यारहवें संस्कृति कला महोत्सव का आयोजन

ठाणे. शहर में स्थित उपवन तालाब परिसर में 10 जनवरी से 13 जनवरी तक ग्यारहवें संस्कृती कला महोत्सव को आयोजित किया जाएगा। संस्कृति युवा प्रतिष्ठान के संस्थापक अध्यक्ष विधायक प्रताप सरनाईक और संपूर्ण कला महोत्सव समिति कला प्रेमियों को इस ग्यारहवें वार्षिक, भव्य कला महोत्सव में शामिल होने के लिए कहा।कला उत्सव उपवन तालाब परिसर के लगभग 15 एकड़ में फैला हुआ रहेगा।उपवन घाट है जो बनारस घाट के नाम से जाना जाता है इस घाट पर 3000 से अधिक लोगों की क्षमता है। को समायोजित करने में सक्षम है।10 जनवरी को शाम 5.30 बजे इस घाट पर कला उत्सव के उद्घाटन डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के हाथों से होगा और इस समय दो हजार से अधिक स्कूली छात्र मौजूद रहेंगे।चार दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव में कई गणमान्य व्यक्ति, वरिष्ठ कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता, कला प्रेमी, प्रतिनिधि, राजनीतिक हस्तियां व लगभग छह लाख दर्शक भाग लेंगे।10 जनवरी की शाम को पद्मश्री शुभा मुद्गल द्वारा शास्त्रीय गायन किया जाएगा, जबकि 11 जनवरी की सुबह विदुषी आरती अंकलकर-टिकेकर तरंग रंगमंच पर मधुर गीतों की प्रस्तुति देंगी।11 जनवरी की शाम बॉलीवुड गायक अभिजीत भट्टाचार्य सभी प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर देंगे, जबकि पंडित बृज नारायण (सरोद), फिल्मफेयर पुरस्कार विजेता नायिका और गायिका केतकी माटेगांवकर (गायक), पद्मश्री उस्ताद शाहिद परवेज (सितार) तरंग मंच पर प्रस्तुति देंगे।12 जनवरी, रविवार प्रातः सुप्रसिद्ध गायक पं. रितेश रजनीश मिश्रा का शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया जाएगा, शाम को सुप्रसिद्ध गायिका संजू राठौड़ की गायन प्रस्तुति सभी प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर देगी, उस समय ठाणे के युवा कलाकार तरंग पर वाद्ययंत्र, गायन और नृत्य का संयोजन प्रस्तुत करेंगे मंच पर, राधिका सूद-नाईक एक सूफी संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगी और साथ ही 'पंचनाद' कार्यक्रम के माध्यम से अनुभवी पखावजा वादक पंडित भवानी शंकर को सम्मानित किया जाएगा।

उंगली के निशान से लापता लड़का लौटा अपने घर

- ठाणे मनोरोगी अस्पताल में आधारकार्ड के जांच में हुई पहचान

ठाणे. मानसिक स्थिति खराब होने के कारण घर से लापता लड़के को उसके घर का पता लगाकर भेजना मुश्किल हो जाता है। ठाणे प्रादेशिक मनोरोगी अस्पताल में मध्यप्रदेश का लापता लड़का लगभग सवा दो साल बाद उसके परिवार के हवाले सुपुर्द किया। सलीम खान (बदला हुआ नाम) का एक नाबालिग लड़का कासरवडवली पुलिस स्टेशन की सीमा में घूमता हुआ पाया गया था, सलीम को अगस्त 2022 में बाल कल्याण समिति और कासरवडवली पुलिस ने ठाणे क्षेत्रीय मनोरोग अस्पताल में भर्ती कराया था क्योंकि वह मानसिक रूप से बीमार था। यह कहां से आया, इसकी कोई जानकारी नहीं मिल सकी तो अस्पताल के लिए सवाल यह था कि सलीम के परिवार को कैसे खोजा जाए। अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. नेताजी मुलिक के मार्गदर्शन में सलीम को मानसिक उपचार दिलाने और उसके परिवार तक पहुंचने का प्रयास किया गया।यह जानकारी अस्पताल की सामाजिक सेवा अधीक्षक स्वाति कुलकर्णी ने दी। पहले कुछ दिनों तक यह स्पष्ट नहीं हुआ कि सलीम कहा से आया है और नाम भी कुछ अलग कह रहा था। वह कहता था कि वह मुंब्रा में रहता है इसके मुताबिक अस्पताल ने मुब्रा में जाकर पूछताछ की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। जुलाई 2024 में कापूरबावड़ी आधार कार्ड केंद्र की मदद से अस्पताल के मरीजों के लिए आधार कार्ड सत्यापन अभियान चलाया गया।

उसके उंगलियों के निशान से सलीम के घर का पता मिल गया। अस्पताल ने मध्य प्रदेश के उज्जैन और बंदनगर पुलिस से संपर्क किया और उसके परिवार का पता ढूंढा। इस बीच सलीम की काउंसलिंग, ग्रुप थेरेपी और दवा शुरू की गई।उसके मानसिक स्वास्थ्य में धीरे-धीरे सुधार हो रहा था। इसके लिए मनोचिकित्सक डॉ. दिवेकर कपूरबावड़ी आधार कार्ड सेंटर के मनोचिकित्सक नर्स सुरेश भिलारे, शंभु साह, शेखर पडवाल, चंद्रदेव यादव ने अथक प्रयास किया।सलीम के परिवार से संपर्क करने के बाद सलीम मोबाइल वीडियो फोन के जरिए अपने परिवार से खुलकर बात किया। उसके परिवार ने भी अपने बेटे को ढूंढने की काफी कोशिश की। जब सलीम के परिजन अस्पताल आए तो परिवार खुशी के आंसू नहीं रोक सका।

वासवदत्ता फाउंडेशन मुंबई द्वारा निशुल्क मोतियाबिंद शिविर सम्पन्न

कल्याण. पद्मभूषण श्रीमती राजश्रीजी बिड़ला संचलित वासवदत्ता फाउंडेशन मुंबई के तरफ से रविवार दिनांक 08 दिसंबर 2024 को जिला परिषद मराठी स्कूल सापे गाँव, तालुका भिवंडी में निशुल्क मोतियाबिंद, त्वचारोग एवं चिकित्सा शिविर का अयोजन किया गया था। इस शिविर में 50 गाँव के 432 ग्रामवासियों ने लाभ उठाया। 263 नागरिकों को निशुल्क चश्मे वितरित किये गए और 45 मरीज़ों का लेंस सहित निशुल्क एवं सफलता पूर्वक ऑपरेशन स्वामी सर्वानंद अस्पताल, उल्हासनगर 5 में किया गया.

शिविर का उद्घाटन वासवदत्ता फाउंडेशन की ओर से अतुल केड़िया के द्वारा किया गया। इस अवसर पर गाँव के सरपंच गोरखनाथ सुतार, मनीष लड्ढा, अनिल शर्मा, डॉ. हेमांगी तिरमले, डॉ. प्रियंका आहूजा, डॉ. सोनी आगिचा, डॉ. लालचंद मोटवानी, डॉ. सुवर्णा घोणे, विजयकुमार लिंगायत, रीना सोनवणी, संजय भोने, मेहुल लालका, अमित सिंह, गोपाल घुगे, मनस्वी नेगी, राकेश यादव, और स्वामी सर्वानंद अस्पताल की टीम, आदि उपस्थित थे।

वासवदत्ता फाउंडेशन द्वारा पिछले 35 वर्षों से ग्रामीण विभाग में जाकर जरूरतमंदो को मदद करते आ रहे हैं ।

चांदीवली, काजूपाड़ा, सेनानगर में ओम साईं शरण श्री लॉरेंस बाबा सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित साईं शरण धाम मंदिर की चौथी वर्षगांठ मनाई गई। इस मौके पर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, अध्यक्ष लॉरेन्स डिसोजा, नेन्सी डिसोजा, बाबू बत्तेली, सुभाष गायकवाड, रियाझ मुल्ला, पवन जैन, दिपक बारीया, अभिषेक पाटील, सचिन सावंत, ऍशली डिसोजा, क्यारन डिसोजा, त्रिशा दिलीप महाराणा उपस्थित थे।

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that a Family Settlement Deed dated 29th January 2024 has been lawfully executed between the undersigned parties i.e., Mr. Kailash Parmanand Tanwani, Resident of Ambernath Palegaon and (1) Shri. Parmanand Bhojraj Tanwani (2) Smt. Namrata Parmanand Tanwani (3) Mr. Kunal Parmanand Tanwani, Residing at: Raj Urbania, B1-103, Opp. HDFC Bank, Behind Prachin Shiv Mandir, Palegaon, Ambernath East-421501. My clients i.e., (1) Shri. Parmanand Bhojraj Tanwani (2) Smt. Namrata Parmanand Tanwani (3) Mr. Kunal Parmanand Tanwani, hereby states that a Family Settlement Deed dated 29th January 2024 has been lawfully executed between Mr. Kailash Parmanand Tanwani, (hereinafter referred to as the Party of the First Part) and the (1) Shri. Parmanand Bhojraj Tanwani (2) Smt. Namrata Parmanand Tanwani (3) Mr. Kunal Parmanand Tanwani. i.e., my clients.

Whereas, as per the terms and conditions agreed upon between parties:

My client states that they have no connection, relationship, or association with Mr. Kailash Parmanand Tanwani i.e., Party of First Part.

My client further states that Mr. Kailash Parmanand Tanwani i.e., Party of First Part has voluntarily relinquished all claims, rights, titles, and interests in any ancestral, joint, or family properties, as detailed in the settlement deed. Although as well as in any properties that may be purchased in the future by my clients.

My client states that the Party of the First Part i.e., Mr. Kailash Parmanand Tanwani has no right, title, interest, or concern of any nature in the properties mentioned above, whether existing or acquired in the future, in accordance with the terms set forth in the settlement deed.

My client further states that my clients shall not be held responsible or liable for any personal, financial, or legal liabilities arising from the actions, conduct, or business dealings of the Party of the First Part i.e., Mr. Kailash Parmanand Tanwani, including any illegal or unlawful activities undertaken by them, whether past, present, or future.

This public notice is being issued in good faith to notify all concerned persons, authorities, and the general public. Any individual or entity dealing with the Party of the First Part i.e., Mr. Kailash Parmanand Tanwani shall do so at their own risk, responsibility, and without recourse to my clients.

Date: 12th December 2024.
Place: Ulhasnagar.

Sd/-
Manish K. Chanchlani
Advocate Mumbai High Court
Add: Shop No-2, Ground Floor, Mangal Chhaya, Kurla Camp Road, Ulhasnagar-421004. Mobile No.9272727018

आम सूचना

मैं श्री ननमून गुप्ता सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. 101, पहला माला, किथानी अपार्टमेंट, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 11बीआय004325900) उक्त प्रॉपर्टी श्री पंकज रमेश दयारामानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 1.7.2024 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री ननमून गुप्ता

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification-
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

एसएसटी महाविद्यालय में रक्तदान शिविर को उत्साहजनक प्रतिसाद

उल्हासनगर. एसएसटी महाविद्यालय की एनएसएस यूनिट, रेड रिबन क्लब, डीएलएलई, सांस्कृतिक विभाग, छात्र परिषद और पूर्व छात्र संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर को उल्हासनगर के छात्रों और नागरिकों से भारी प्रतिसाद मिला।

एचडीएफसी बैंक, सेंट्रल हॉस्पिटल उल्हासनगर और संकल्प ब्लड बैंक के सहयोग से यह शिविर आयोजित किया गया। ₹वीर बनो, रक्तदान करो और किसी को जीवन जीने का अवसर दो₹ इस संदेश के साथ चलाए गए इस अभियान से कई रक्तदाताओं ने समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस शिवीर मे 262 ब्लड बॉटल्स जमा हुई।

'रक्तदान एक मित्रतापूर्ण भावना है,' इस विचारधारा के तहत इस शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदाताओं द्वारा दिखाए गए उत्साह ने समाजसेवा का एक आदर्श प्रस्तुत किया और इस अभियान को सफल बनाया।

इस रक्तदान शिविर का आयोजन एसएसटी महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी और आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी के मार्गदर्शन में, उपप्राचार्य और एनएसएस के ठाणे जिला समन्वयक प्रा. जीवन विचारे, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रा. मयूर माथुर, प्रा. योगेश पाटील और डॉ. सुवर्णा अहिरे द्वारा छात्र स्वयंसेवकों की सहायता से सफलतापूर्वक किया गया।

इस आयोजन के लिए सेंट्रल हॉस्पिटल, संकल्प ब्लड बैंक और एचडीएफसी बैंक के डॉक्टरों और कर्मचारियों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

सोने की तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़

मुंबई. राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई में सोने की तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि एजेंसी ने 19.6 करोड़ रुपये का सोना, चांदी और नकदी जब्त की है। इसके अलावा, रैकेट के मास्टरमाइंड को भी गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर मुंबई में तीन संबंधित स्थानों पर तलाशी ली। तलाशी अभियान में 23.92 किलोग्राम सोने की छड़ें और पिघला हुआ सोना, विदेशी चिह्न वाला सोना, 37 किलोग्राम चांदी और 5.40 लाख रुपये नकद बरामद हुए। उन्होंने बताया कि श्रमिकों और सहायकों के बयान दर्ज करने के बाद सिंडिकेट के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, जब्त किया गया सोना तस्करी करके लाया गया प्रतीत होता है, क्योंकि मास्टरमाइंड सोने के स्रोत के बारे में नहीं बता सका और न ही उसने कोई दस्तावेजी रिकॉर्ड बनाए रखा।

शाकाहारी बनने वाली बात पर भड़कीं साई पल्लवी

- बोलीं- कानूनी कार्रवाई करूंगी
- 'रामायण' के लिए मांस छोड़ने की खबर थी

पिछले दिनों खबरें आई थीं कि साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी ने फिल्म रामायण के लिए मांसाहारी खाना छोड़ दिया है। इस बीच, एक्ट्रेस ने इन खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और इन्हें खारिज करते हुए ऐसी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात भी कही है।

साई पल्लवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा नोट लिखते हुए इसकी आलोचना भी की है। उन्होंने लिखा, 'जब भी मैं सोशल मीडिया पर कोई गलत खबर देखती हूं, तो ज्यादातर मेरी कोशिश रहती है कि उसे नजर अंदाज करके चुप रहूं। ले कि न लगता है कि अब स म य आ गया है कि मैं भी कुछ झूठी खबरों पर अपना रिएक्शन दूं, क्योंकि झूठ लगातार फैलाया जाता है और यह रुकता नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसा अक्सर मेरी फिल्मों की रिलीज, घोषणाओं या मेरे करियर के यादगार पलों के आसपास होता है। तो, अगली बार जब मैं किसी फेमस पेज या मीडिया को ऐसा करते हुए देखूंगी, तो मुझे उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी पड़ेगी।'

- जानिए क्या है पूरा मामला?

दरअसल, एक तमिल दैनिक ने अपनी खबर में कहा था कि साई पल्लवी फिल्म रामायण में माता सीता का किरदार निभा रही हैं, और इसके चलते उन्होंने मांसाहारी खाना छोड़ दिया है। इसके अलावा, यह भी दावा किया गया था कि जब भी एक्ट्रेस यात्रा करती हैं, तो वह केवल शाकाहारी भोजन ही पसंद करती हैं। एक इंटरव्यू में भी साई पल्लवी ने कहा था कि वह हमेशा के लिए शाकाहारी हैं। उनसे यह सहन नहीं होता जब किसी जानवर की मौत होती है। वह किसी को तकलीफ नहीं दे सकती और नहीं सोच सकती कि यह ठीक है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099